

पिंड से होकर जाने वाला ऊर्ध्वाधर वृत्त क्षितिज से मिलता है

दिगीश पुं. (तत्.) दे. दिक्पति।

दिगीश्वर पुं. (तत्.) दे. दिक्पति।

दिग् स्त्री. (तत्.) दिक् शब्द का संधिगत रूप/संस्कृत व्याकरण में संधि के नियमों के अनुसार विशिष्ट स्थितियों में क् का ग् हो जाता है (तृतीयाक्षर संधि) अर्थ के लिए दे. दिक्।

दिग्दर्शक वि./पुं. (तत्.) 1. दिशा बतलाने वाला 2. कार्य की पद्धति, स्वरूप इत्यादि बतलाने वाला, निर्देशक 3. रंगमंच, चित्रपट आदि का निर्देशक director

दिग्दर्शक यंत्र पुं. (तत्.) दे. दिक्सूचक।

दिग्दर्शन पुं. (तत्.) मार्गदर्शन, दिग्दर्शक का कार्य।

दिग्दिगंत क्रि.वि. (तत्.) सभी दिशाओं में दिगंत तक, जहाँ तक दृष्टि जाए, सर्वत्र पूरे संसार में पुं. दिशाएँ और दिगंत, समस्त स्थान जैसे- राम की कीर्ति दिग्दिगंत में व्याप्त है।

दिग्देवता पुं. (तत्.) दे. दिवपति।

दिग्ध वि. (तत्.) 1. सना हुआ या लिपा हुआ 2. मिट्टी में सना हुआ, गंदगी युक्त 3. विष से सना हुआ, विषयुक्त, विषाक्त (बाण आदि) पुं. (तत्.) 1. लेपने वाला पदार्थ जैसे- तेल, मरहम, उबटन आदि 2. विषाक्त बाण 3. कोई वास्तविक या काल्पनिक कथा।

दिग्बल पुं. (तत्.) ज्यो. किसी विशिष्ट दिशा में होने के कारण ग्रहों को प्राप्त करने वाला बल।

दिग्भ्रम पुं. (तत्.) 1. याद न रह पाने के कारण दिशा का ज्ञान न हो पाना 2. समुद्र, रेगिस्तान, जंगल इत्यादि स्थानों में, जहाँ सभी दिशाओं में एक जैसा दृश्य दिखता है, होने वाला दिशा का भ्रम 3. विचार न कर पाने की स्थिति।

दिग्मंडल पुं. (तत्.) दे. दिग्मंडल।

दिग्विजय पुं. (तत्.) 1. किसी पराक्रमी राजा का अन्य राजाओं को पराजित कर अपने अधीन

करने के लिए सभी दिशाओं में यात्रा करने का अभियान 2. किसी विद्वान का शास्त्रार्थ के माध्यम से चारों दिशाओं में किया जाने वाला विजय अभियान या इस प्रकार प्राप्त विजय।

दिग्विजयी वि. (तत्.) दिग्विजय करने वाला।

दिग्विभाग पुं. (तत्.) किसी विशेष निमित्त से किया गया दिशा-विभाजन।

दिग्व्यापी वि. (तत्.) 1. सभी दिशाओं में व्याप्त रहने वाला, विश्वव्यापी 2. परमात्मा।

दिग्व्याप्त वि. (तत्.) दे. दिग्व्यापी।

दिङ्नाग पुं. (तत्.) 1. दे. दिक्कुंजर 2. चौथी शताब्दी के एक विख्यात बौद्ध आचार्य।

दिङ्मंडल पुं. (तत्.) 1. समस्त दिशाएँ 2. अंतरिक्ष मंडल जिसमें समस्त ग्रह-तारा विद्यमान हैं।

दिठौना पुं. (देश.) 1. वह काला चिह्न जो छोटे बच्चों को बुरी नजर से बचाने के लिए उनके मस्तक या गाल पर लगाया जात है, इसी प्रकार का कोई चिह्न जो बुरी नजर से बचाने के लिए लगाया जाता है 2. कोई ऐसी बात जो सबसे अलग हो और संपूर्ण सौंदर्य में कमी को प्रकट करे।

दिति स्त्री. (तत्.) पुराणों के अनुसार प्रजापति दक्ष की कन्या और महर्षि कश्यप की एक पुत्री जिसके पुत्र दैत्य कहलाए।

दित्सा स्त्री. (तत्.) देने की इच्छा।

दित्सु वि. (तत्.) देने को इच्छुक।

दिदृक्षा स्त्री. (तत्.) देखने की इच्छा।

दिन पुं. (तत्.) 1. वह कालावधि जब सूर्य का प्रकाश फैला हुआ हो, प्रातःकाल और सायंकाल के बीच का काल, सूर्योदय से सूर्यास्त तक का समय विज्ञो. रात्रि उदा. दिन में आना 2. सूर्योदय से अगले सूर्योदय तक का काल, पृथ्वी के एक घूर्णन का काल उदा. दो दिन तक मुझे बुखार था 3. एक विशेष कालावधि उदा. वे